शनिवार

32 साल से देहरादून का विश्वास

26 अक्टूबर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 256
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

एसटीएफ ने साइबर अपराध से पीड़ितों को दिलाये 34 करोड रुपए वापस

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने साइबर अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के तहत साइबर अपराध से पीडितों को 34 करोड रूपये वापस कराये।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह ने बताया कि उत्तराखंड हेल्पलाईन 1930 द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये लगातार सक्रीय रहकर निगरानी रखी जा रही है। जिसमें साइबर अपराध में पीड़ितों की विभिन्न माध्यमों से ठगी गयी 34 करोड़ की धनराशि को वापस कराया गया। राज्य में बढ़ते हुए साईबर अपराधों के मध्य नजर पीडितों/आमजन मानस की साईबर अपराध सम्बन्धित शिकायतों पर कार्यवाही किये जाने के उद्देश्य से साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन, देहरादून में साईबर हैल्प लाईन ख़ 1930 संचालित किया जा रहा है, जिसमें साईबर अपराधों से पीडित आमजनता द्वारा अपनी शिकायतें दर्ज करायी जा रही है। साईबर क्राईम थाने की टीम द्वारा मिशन ई-सुरक्षा चक्र के तहत अब तक लगभग 34 करोड़ रुपये की साईबर ठगी के पीडितों की धनराशि वापिस करायी गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड नवनीत सिंह द्वारा जनता से अपील की है कि साईबर वित्तीय हेल्पलाइन 1930 पर साईबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल सूचना अंकित कराये। सूचना विलम्ब से देने पर साईबर अपराधियो द्वारा ध न निकालने के उपरान्त पैसा वापस होने की सम्भांवना बहुत कम होती है। ऑनलाइन सामान की खरीददारी करते हुये अधिकृत वैबसाइट से ही सामान खरीदे व किसी भी प्रकार के लोभ लुभावने अवसरो/ फर्जी साइट/ धनराशि दोगुना करने वाले अंनजान अवसरो के प्रलोभन में न आयें। किसी भी ऑनलाइन ट्रेडिग साइट व लॉटरी एवं ईनाम जीतने के लालच में आकर धनराशि देने तथा अपनी व्यक्तिगत जानकारी व महत्वपूर्ण डाटा शेयर करने से बचना चाहिये। किसी भी प्रकार का ऑनलाईन ट्रेडिग लेने से पूर्व उक्त साइट की पूर्ण जानकारी व स्थानीय बैंक, सम्बन्धित कम्पनी आदि से भलीं भांति इसकी जांच पड़ताल अवश्य करा लें। कोई भी शक होने पर तत्काल निकटतम पुलिस स्टेशन या साइबर हेल्पलाईन 1930 या साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को सम्पर्क करें।

चुनाव न कराये जाने से नाराज छात्रों ने घंटाघर पर किया जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव न कराये जाने से आक्रोशित छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन कर सरकार का पुतला फूंका।

सरकार द्वारा समय से छात्र संघ चुनाव न कराये जाने से नाराज छात्रों ने डीएवी कालेज छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में संयुक्त छात्र संघर्ष समिति के बैनर तले कल डीएवी कालेज में तालाबंदी कर मुख्य गेट पर धरना दिया गया था। मामले में छात्रों का आक्रोश कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आज प्रात: भी छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में सैकड़ो छात्र कालेज परिसर में एकत्रित हुए। जहां से वह नारेबाजी करते हुए घंटाघर पहुंचे। घंटाघर चौक पर पहुंच छात्रों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सरकार का पुतला फूंका। छात्रों का कहना है कि चुनाव एक मौलिक अधिकार है। लिंगदोह समिति की सिफारिशों की सही व्याख्या की जानी चाहिए जैसा जेएनयू ने किया। आने वाले दिनों में छात्र संघ चुनाव शैक्षाणिक सत्र 2024-2025 के लिए होगा लेकिन उत्तराखण्ड में छात्रसंघ नियमों की व्याख्या अलग तरह से की जा रही है। समिति की सिफारिशें जेएनयू के साथ-साथ उत्तराखण्ड के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए एक समान हैं। एनएसयूआई नेताओं का कहना है कि सरकार इस बार छात्र संघ चुनाव नहीं कराना चाहती है। बदरीनाथ और मंगलौर उपचुनाव में मिली हार से सरकार डरी हुई है। केदारनाथ उप चुनाव से पहले हार के डर से सरकार छात्र संघ चुनाव नहीं कराना चाहती है उनका कहना है कि संगठन कोर्ट के आदेश का पालन करेगा और ऐसा कोई भी कार्य नहीं किया जायेगा जिससे कालेजो में शिक्षा का माहौल खराब हो।

दून वैली मेल

संपादकीय

धर्म रक्षा की राजनीति से सतर्क रहे

धर्म की रक्षा की जिम्मेदारी भले ही धर्माचार्यो और धर्म गुरुओं की सही लेकिन बदलते परिवेश में अब राजनीतिक दलों ने धर्म रक्षा का ठेका ले लिया है। लेकिन यह धर्म के ठेकेदार भावी पीढ़ी को किस तरह दिशा भ्रमित कर उनका जीवन बर्बाद कर रहे हैं इसका उदाहरण हरियाणा के चरखी दादरी की घटना से ज्यादा बेहतर और क्या हो सकता है। घटनाक्रम के अनुसार 27 अगस्त को पुलिस को झुग्गी-झोपड़ी में कुछ बवाल होने की सूचना मिली। मौके पर पुलिस पहुंची तो देखा कि साबिर नाम के एक युवक की हत्या कर दी गई है पुलिस की छानबीन में पता चला कि कुछ युवक आए थे जो गौं मांस खाने और पकाने का आरोप लगा रहे थे। पुलिस ने हत्या के आरोप में 10 युवकों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा इनमें से एक नाबालिक भी है छह आरोपी अभी फरार है पुलिस जल्द इन्हें गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। साबिर के पेट से पोस्टमार्टम में जो मांस मिला था उसे जांच के लिए भेजा गया था जिसकी जांच रिपोर्ट अभी-अभी आई है जिसमें इस बात की पुष्टि हुई है कि वह गौ मांस नहीं था। सवाल यह है कि सिर्फ शक आधार पर इस तरह किसी की हत्या किया जाना किस तरह की धर्म रक्षा है? एक अन्य सवाल यह है कि धर्म की रक्षा का यह अधिकार इन युवाओं को किसने दिया है? अगर जांच में यह भी साबित हो जाता है कि साबिर ने गौ मांस ही खाया था तब भी क्या इन युवाओं द्वारा की गई हत्या अपराध के दायरे से बाहर मानी जा सकती है कानून की नजर में तो वह हत्या के आरोपी है ही और अगर वह दोषी साबित हो जाते हैं तो इन युवाओं का भविष्य और जीवन बर्बाद करने के लिए कौन जिम्मेदार होगा। बीते दिनों इस तरह की अनेक घटनाएं प्रकाश में आ चुकी है रेप के आरोपी अब्दुल की फैक्ट्री व घर पर बुलडोजर चलवा दिया गया व डीएनए जांच में पता चला की लड़की के साथ रेप करने वाला आरोपी फैक्ट्री में काम करने वाला लड़का था जिससे डीएनए मैच हुआ। इन दिनों पिथौरागढ़ में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें भगवाधारी कुछ युवक किसी मस्जिद के सामने खड़े होकर पूछ रहे हैं कि यह किसकी मस्जिद है? यहां मस्जिद बनाने की परमिशन आपको किसने दी? यह देवभूमि है यहां सिर्फ मंदिर बनाये जा सकते हैं मस्जिद नहीं। उत्तरकाशी में इन दिनों मस्जिद को हटाने को लेकर जो बवाल चल रहा है वह भी हमारे सामने है लेकिन धर्म रक्षा यात्राओं व धर्म रक्षा के नाम पर जिस तरह के बीज बोय जा रहे हैं इसकी फसल हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ी को ही काटनी पड़ेगी। अपने राजनीतिक हित साधने वाले जो लोग इन किशोर तथा युवा बच्चों को दिशा भ्रमित कर रहे हैं उन्हें खुद पता नहीं है कि वह अपने ही बच्चों का भविष्य खराब कर रहे हैं। नफरत और हिंसा का जो बीजारोपण बच्चों के मन में बोया जा रहा है उससे समाज को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इन बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले तथा पढ़ लिखकर वह अपना और अपने परिवार का भविष्य संवारे ज्यादा अच्छा होगा न कि धर्म रक्षक बनाकर जेल की सलाखों के पीछे रहकर अपना और अपने परिवार की बर्बादी का कारण बने। जो राजनीति कर रहे हैं उन्हें राजनीति करने दे। वर्तमान दौर में हर परिवार और हर एक युवा को धर्म रक्षा की इस राजनीति से सतर्क रहने की जरूरत है।

केदारनाथ उपचुनाव में आशुतोष भण्डारी होगे उक्रांद के प्रत्याशी

संवाददाता

देहरादून। उक्रांद के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आनंद प्रकाश जुयाल ने केदारनाथ विधानसभा के उपचुनाव के लिए आशुतोष भण्डारी को प्रत्याशी घोषित किया।

आज यहां प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उत्तराखण्ड क्रांति दल के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आनंद प्रकाश जुयाल ने केदारनाथ की रिक्त विधानसभा के उप चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी के नाम की घोषणा करते हुए आशुतोष भंडारी को दल का प्रत्याशी घोषित किया। जो जनपद रुद्रप्रयाग के बीरोंदेवल के स्वर्गीय बीर सिंह भंडारी के सुपुत्र हैं। पेशे से डॉक्टर है। जिन्होंने साढ़े पांच साल की होम्योपैथिक चिकित्सा की डिग्री हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना में सेवा की, परंतु कोरोना के बाद पिछड़े व स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित अपने क्षेत्र में ही जनसेवा करने का निर्णय लिया। कोरोना काल में रुद्रप्रयाग के होम्योपैथिक अस्पताल में अवैतनिक सेवा की। वर्तमान में सरकार की पहाड़ विरोधी नीतियों, केदारनाथ मंदिर में सोने की चोरी, दिल्ली में रुद्रप्रयाग से पत्थर ले जाकर केदारनाथ मंदिर बनाने के जनविराधी''शास्त्र विरोधी तुगलकी फैसले, हैलीकॉप्टर कंपनियो की सरकार से मिलकर की जाने वाली मनमानी, मंदाकिनी नदी में अवैध खनन, डंपिंग जोन के नाम पर अनियंत्रित व आपदाओं को आमंत्रण देने वाले कृत्यों के विरुद्ध मुखर हैं। प्रेस वार्ता में केंद्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय, केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सजवान, केंद्रीय कोषाध्यक्ष प्रताप कुंवर सिंह, केंद्रीय प्रवक्ता दीपक रावत आदि उपस्थित थे।

राज्य के चार प्रमुख मद्दों को लेकर मुख्यमंत्री से मिले धस्माना

संवाददाता

देहरादून। राज्य के चार प्रमुख मुददों को लेकर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके आवास पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां उत्तराखंड राज्य की चार ज्वलंत प्रमुख समस्याओं के मामले में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात कर राज्य में कुछ शरारती तत्वों द्वारा लगातार बिगाड़े जा रहे सांप्रदायिक सौहार्द, डीएवी महाविद्यालय समेत राज्य के केंद्रीय विश्वविद्यालय एच एन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय से संबद्ध दस महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव संपन्न कराने, उपनल कर्मचारियों के संबंध में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य सरकार की एसएलपी खारिज होने के खिलाफ रिव्यू पिटिशन दाखिल करने की बजाय उपनल कर्मचारियों को समायोजित करने की नीति बनाने व राज्य के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के साथ बरते जा रहे सौतेले व्यहवार पर

विस्तार से चर्चा करते हुए इन मुद्दों पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही की जाने की मांग की।

धस्माना ने मुख्यमंत्री से कहा कि वे पूरे राज्य के सीएम हैं और राज्य में रहने वाले प्रत्येक नागरिक चाहे वो किसी धर्म जाति का हो उसकी सुरक्षा उनकी जिम्मेदारी है किंतु कुछ महीनों से राज्य के अलग अलग हिस्सों में कुछ शरारती तत्व प्रदेश का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने में लगे हैं। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, श्रीनगर, देहरादून के मामलों का जिक्र करते हुए धस्माना ने सीएम से आग्रह किया कि वे राज्य के प्रशाशन व पुलिस को ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दें। धस्माना ने सीएम से राज्य के अशासकीय महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव ना करवाए जाने के उच्च शिक्षा विभाग के फैसले पर पुनर्विचार करते हुए तत्काल छात्र संघ चुनाव करवाए जाने की मांग की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धैर्य के साथ धस्माना द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुना और आश्वाशन दिया कि राज्य में किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी व सरकार सबकी सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने छात्र संघ चुनाव व उपनल कर्मचारियों के मुद्दे पर भी सकारात्मक रुख व्यक्त किया और उच्च शिक्षा के मामलों में सौंपे गए ज्ञापन का परीक्षण करवा कर यथोचित कार्यवाही करने का भरोसा दिया।

पैरा नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में राजेन्द्र ने पाया द्वितीय स्थान

संवाददाता

देहरादून। गोवा में आयोजित पैरा नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में राजेन्द्र सिंह ने द्वितीय स्थान पाकर सिल्वर मैडल प्राप्त किया।

यहां पैरा नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप 2024 -25 जोकि गोवा में आयोजित की गई थी वहां पर उत्तराखंड के श्यामपुर निवासी राजेंद्र सिंह ने 100 मीटर फ्री स्टाइ पैरा स्विमिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त

कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया और उत्तराखंड का मान सम्मान बढ़ाया। समस्त क्षेत्र वासियों ने राजेंद्र सिंह को घर पहुंच कर बधाई दी। बधाई देने में जगदीश बोरा, समाजसेवी अरुण भट्ट, प्रधान पवन कुमार, भूपेंद्र बिष्ट, कोच प्रेम कुमार, भगवान सिंह, हर सिंह बिष्ट, नरेंद्र धामी, हंस धामी ,ग्रामवासी अन्य उपस्थित थे। समाजसेवी अरुण भट्ट का कहना है राजेंद्र सिंह ने हमारे क्षेत्र का उत्तराखंड का मान सम्मान बढ़ाया है और इस प्रकार की प्रतियोगिता और लोगों को भी प्रोत्साहित करती हैं।

उत्तरकाशी की घटना से आक्रोशित हिन्दू संगठनों ने पीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। उत्तरकाशी की घटना से आक्रोशित हिन्दू संगठनों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां उत्तरकाशी की घटना को लेकर आक्रोशित हुए हिंदू संगठनों के द्वारा जिलाधिकारी देहरादून कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन के साथ नारेबाजी करते हुये सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ करने के पश्चात जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को त्वरित कार्रवाई हेतू ज्ञापन प्रेषित किया।

भैरव सेना के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की सनातन संस्कृति को संरक्षित करने के लिये अलग राज्य की मांग हुई थी जोकि काफी संघर्षों के पश्चात पूरी भी हो गई। परन्तु धार्मिक घुसपैठ से पृथक राज्य की महत्ता समाप्त हो गई है। जिसके फलस्वरूप दूसरे राज्यों के कट्टरपंथी उत्तराखंड देवभूमि की शान्त वादियों में संप्रदायिक माहौल खराब कर जगह-जगह अवैध धार्मिक स्थलों का निर्माण कर रहे हैं जिस कारण आपसी टकराव की स्थिति बन जाती है। जिसका ताजा उदाहरण

उतरकाशी की घटना है, जिन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए।

हिन्दू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने उत्तरकाशी में हुई पथराव की घटना को जिहादी मानसिकता की सोची समझी साजिश बताया और कहा कि दीपावली के पश्चात देवभूमि को जिहाद मुक्त राज्य बनाने के लिए सभी संगठनों के माध्यम से रणनीतिक साझेदारी की जायेगी।

हिन्दू रक्षा दल के संरक्षक स्वामी अनुपमानंद गिरि ने कहा की उत्तरकाशी की घटना में कड़ी सुरक्षा के बावजूद स्वामी दर्शन भारती चोटिल हुये और बामुश्किल उनको वहां से बचाया गया अन्यथा घात लगाकर बैठे पत्थरबाज संत समाज के प्रतिनिधि को शिकार बनाना चाहते थे।

राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र सिंह बॉबी ने कहा कि प्रवीण भाई तोगड़िया के कथनानुसार हम हर उस हिंदू का साथ देंगे, जो अपने धर्म की रक्षा के लिए तत्पर है। भैरव सेना तथा अन्य सहयोगी संगठनों के द्वारा चलाए जा रहे अभियान देवभूमि हित में है, और राष्ट्रीय बजरंग दल तन मन धन से समस्त संगठनों को जिहादी मुक्त उत्तराखंड के लिए पूर्ण समर्थन करेगा।

भैरव सेना के जिला अध्यक्ष अन्नु राजपूत ने कहा कि दीपावली के पश्चात सभी संगठनों की बैठक की जाएगी। ज्ञापन प्रेषण में उपरोक्त वक्ताओं के साथ स्वामी शिवोम गिरि, अधिवक्ता प्रियंका, अन्नु राजपूत, हितेश, सन्नी गुप्ता, संध्या राजपूत, परवेज मिश्रा, ऋतिक सहित दर्जनों हिन्दूवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रगतिशील और समावेशी शिक्षा प्रणाली जरूरी

निलीमा झा

भारतीय शिक्षा प्रणाली पुरातन काल से ही हमेशा परंपरा और नवाचार के संगम पर खड़ी रही है, और यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' की प्राचीन बुद्धिमत्ता का प्रतीक है, जिसका अर्थ है कि 'संपूर्ण विश्व एक परिवार है।' यह प्राचीन दर्शन आधुनिक संदर्भ में भी पूरी तरह अनुकूल है। जिस प्रकार हम तेजी से तकनीकी उन्नति और वैश्वीकरण की ओर बढ़ रहे हैं, उस प्रक्रिया में भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास वैश्विक समुदाय को प्रभावित करने और प्रेरित करने की क्षमता रखता है। यह एक सुस्थापित तथ्य है कि भारत की शैक्षणिक विरासत हजारों वर्ष पुरानी है। प्राचीन दशमलव प्रणाली और पाई की अवधारणा जैसे नवाचार यह दर्शाते हैं कि कैसे भारतीय विद्वानों ने वैश्विक ज्ञान को आकार दिया। ये नवाचार सिर्फ गणितीय जिज्ञासाएं नहीं थे, बल्कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विकास की नींव भी बने। आज की चुनौती यह है कि भारत के ऐतिहासिक और समृद्ध साहित्य को समझा जाए और इसे समकालीन जरूरतों के अनुसार अध्ययन कर विकसित भारत की संकल्पना को साकार किया जाए।

तेजी से बदलती आज की दुनिया में शिक्षा को केवल पाठ याद करने से परे सीखने की कोशिश पर केंद्रित होना चाहिए। इसका ठोस फोकस समझदारी और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने पर होना चाहिए। जैसे-जैसे हम 2047 की ओर बढ़ते जा रहे हैं, जो भारत के विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, हमें एक ऐसा मजबूत शैक्षणिक ढांचा बनाने की आवश्यकता है, जो रोजगार क्षमता और वास्तविक अनुप्रयोगों के साथ मेल खाता हो। यह रेखांकित किया जाना आवश्यक है कि भविष्य की शिक्षा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, नवाचार और अनुसंधान को एकीकृत करने पर निर्भर है। इन स्तंभों को शामिल कर

भारतीय शिक्षा प्रणाली एक जिज्ञासा और समस्या-समाधान की संस्कृति को प्रोत्साहित कर सकती है तथा छात्रों को आधुनिक कार्यबल की जटिलताओं के लिए समुचित रूप से तैयार कर सकती है। वर्तमान में उभरती तकनीकें, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन शिक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं। ये तकनीकें व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव को संवर्धित करने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और शैक्षिक परिणामों पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करने में सहायक हो सकती हैं।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए शिक्षा की गुणवत्ता में समुचित सुधार पर विशेष ध्यान देना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया में लड़कियों की शिक्षा पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। समावेशी शिक्षा केवल सामाजिक न्याय का मामला नहीं है, यह राष्ट्रीय विकास के लिए एक रणनीतिक आवश्यकता है। वहीं, शिक्षा और रोजगार की संगति एक महत्वपूर्ण पहलू है। जैसे-जैसे उद्योग विकसित होते हैं, वैसे-वैसे आवश्यक कौशल लगातार बदलते रहते हैं। शिक्षा प्रणालियों को ऐसे पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए अनुकूलित करना चाहिए, जो वर्तमान और भविष्य की नौकरी के बाजार से संबंधित हों। इसमें शैक्षिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच करीबी सहयोग की आवश्यकता होती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्नातकों के पास नियोक्ताओं द्वारा मांगे गये कौशल और ज्ञान हों। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) तकनीक और अवसंरचना में निवेश, जिसमें बैटरी विकास और चार्जिंग नेटवर्क भी शामिल हैं, परिवहन को क्रांतिकारी बना सकता है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होगी। साथ ही, उच्च-तकनीकी नौकरियों का सृजन भी होगा। इसी तरह भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने से आयात पर निर्भरता कम हो सकती है और तकनीकी क्षेत्र में विकास को अधिक प्रोत्साहन मिल सकता है। इसमें डिजाइन, निर्माण और अनुसंधान में नौकरियों का सृजन शामिल है।

आधारभूत संरचना विकास क्षेत्र की बात करें, तो शहरी योजना में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आइओटी), बिग डेटा और एआइ को एकीकृत करने से स्मार्ट और अधिक कुशल शहर प्रबंधन संभव हो सकता है। इसमें स्मार्ट ग्रिड, ट्रैफिक प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा प्रणालियां शामिल हैं, जो विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर पैदा करेंगी। अंतरिक्ष अनुसंधान और मिशनों में निवेश से सामग्री विज्ञान और प्रणोदन तकनीक में नवाचार को प्रेरित किया जा सकता है, जिससे नये उद्योगों और रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत के संदर्भ में प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा राष्ट्रीय विकास के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक का काम कर सकती है। एक उन्नत और समावेशी शिक्षा प्रणाली में पर्याप्त निवेश कर भारत एक ऐसा कार्यबल तैयार कर सकता है, जो न केवल कुशल हो, बल्कि वह नवाचार और अनुकूलनशीलता में भी सक्षम हो। यह दृष्टिकोण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन- 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प- के साथ मेल खाता है। ऐसी पहलें निश्चित ही भारत की आर्थिक वृद्धि, तकनीकी उन्नति और सामाजिक प्रगति को एक नया आयाम प्रदान करेंगी। *(ये लेखक के निजी विचार हैं।)*

विटामिन- डी की कमी को दूर करने में सक्षम हैं ये पेय पदार्थ, डाइट में करें शामिल

शरीर को स्वस्थ रखने में पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा अहम भूमिका निभाती है। इन्हीं पोषक तत्वों में से एक है विटामिन-डी, जिसकी कमी से शरीर कई बीमारियों से घिर सकता है। आमतौर पर विटामिन-डी की कमी को दूर करने के लिए धूप में रहने या फिर सप्लीमेंट्ल लेने को कहा जाता है, लेकिन आप चाहें तो कुछ पेय पदार्थों से भी इसकी कमी दूर कर सकते हैं। आइए कुछ ऐसे पेय पदार्थों के बारे में जानते हैं।

संतरे का जूस

संतरे के जूस में विटामिन- सी के साथ-साथ विटामिन- डी शामिल होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। वहीं, इसके सेवन हृदय से जुड़े जोखिम कम होते हैं। इसलिए नियमित रूप से एक गिलास संतरे के जूस का सेवन जरूर करें। हालांकि, ध्यान रखें कि संतरे का जूस आर्टिफिशियल फ्लेवर या फिर आर्टिफिशियल कलर युक्त नहीं होना चाहिए। बेहतर होगा कि आप मार्केट की बजाय घर में बना संतरे का जूस पिएं।

सोया मिल्क

सोयाबीन से बनने वाला यह दूध भी विटामिन- डी से समृद्ध होता है। इसका सेवन करने से कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं के इलाज में मदद मिल सकती है। सोया मिल्क का सेवन आप नियमित तौर पर एक गिलास तक कर सकते हैं। खासकर वजन घटाने का प्रयास कर रहे लोगों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए, लेकिन इसका सेवन करने से पहले एक बारी अपने डॉक्टर से सलाह परामर्श जरूर कर लें।

गाय का दूध

गाय का दूध कई पोषक तत्वों का बेहतरीन स्त्रोत है और इसमें विटामिन- डी भी शामिल होता है। इस दूध का नियमित तौर पर सेवन करने से आप अपने वजन को कम करने से लेकर मधुमेह समेत कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने तक कई स्वास्थ्य लाभ पा सकते हैं, लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। ध्यान रखें कि रोजाना एक से दो कप ही गाय के दूध का सेवन करना ही स्वास्थ्य को फायदा पहुंचा सकता है।

पुदीना छाछ

पुदीना छाछ का सेवन भी विटामिन-डी की कमी को दूर करने में मदद कर सकता हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सर जार में दही (आवश्यकतानुसार), थोड़ी पुदीने की पत्तियां, एक चुटकी भुना जीरा, एक चुटकी काला नमक और सफेद नमक (स्वादानुसार) डालकर मिक्सर को चलाएं। अब तैयार पुदीना छाछ को एक गिलास में डालकर पीएं। इसके सेवन से आप अपने शरीर में विटामिन- डी के स्तर को बेहतर बना सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

अगर आप इन पेय पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं तो ये विटामिन-डी की कमी को पूरा करने की बजाय कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें।

गीले बालों को सुखाते वक्त न करें ये गलतियां, घने बाल भी हो जाएंगे पतले

घने, लंबे और लहराते बाल भला किसे पसंद नहीं होते हैं। लेकिन क्या आपको पता है आपती छोटी-छोटी गलतियां आपको बालों को नुकसान पहुंचाती हैं। बालों की केयर करने का सबसे पहला व बेसिक स्टेप होता है उन्हें वॉश करना। बालों को शैम्पू करने के बाद अक्सर लड़कियां उन्हें एयर ड्राई करती हैं। लेकिन क्या आपको पता है अगर आप गीले बालों को सुखाते वक्त कुछ गलतियां करते होंगे तो इससे आपको घने से घने बाल भी डैमेज और पतले हो जाएंगे। ये गलतियां इतनी छोटी होती हैं कि इन पर हमारा ध्यान ही नहीं जाता है, लेकिन इससे आपके बालों व उसकी हेल्थ पर काफी गहरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

लीव-इन कंडीशनर का यूज

कई बार लड़कियां हेयर वॉश करने के बाद लीव-इन कंडीशनर का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं समझती हैं, लेकिन ये गलत है। अगर आप हवा में सुखाने से पहले लीव-इन कंडीशनर या डिटैंगलिंग स्प्रे का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो इससे बालों को अतिरिक्त आवश्यक नमी नहीं मिल पाती है और इससे वे रूखेपन की वजह से टूटने लगते हैं। जिससे वे समय के साथ बाल पतले होते चले जाते हैं।

तौलिए से बालों को झटकना

कई लोगों की आदत होती है कि वो हेयर वॉश करने के बाद तौलिए से बालों को झटकते हैं। गीले बालों को सुखाते समय की जाने वाली यह एक कॉमन मिसटेक है। अमूमन यह देखने में आता है कि जब हम हेयर वॉश करते हैं तो उसके बाद बालों को सुखाने के लिए तौलिए की मदद से उसे जोर से झटकने लगते हैं। लेकिन इससे हेयर फॉल बहुत अधिक होता है।

गीले बालों में कॉम्ब करना

कई बार जल्दबाजी में लोग गीले बालों को ही कॉम्ब करना शुरू कर देते हैं। इससे बालों को नुकसान होता है। जब आप गीले बालों को कंघी करते हैं तो उस दौरान वे काफी नाजुक होते हैं। ऐसे में कंघी करने से वे टूटने लगते हैं। इसलिए, आपको गीले बालों में कंघी करने से बचना चाहिए।

टाइट पोनीटेल बनाना

जो लोग गीले बालों में अक्सर हेयर स्टाइल बनाते हैं उनके बाल भी कमजोर हो जाते हैं। हम जब गीले बालों को सुखाते हैं तो उस समय टाइट पोनीटेल, बन या ब्रेड बनाते हैं। जिससे बाल बहुत अधिक टूटने लगते हैं। दरअसल, जब बाल गीले होते हैं और जब हेयर स्टाइल बनाया जाता है तो उस दौरान बालों को तेजी से खींचा जाता है, जिससे वे टूटते हैं और पतले होने लगते हैं।(आरएनएस)

घर पर मिनटों में बनाए जा सकते हैं मोज़रैला चीज़ के ये व्यंजन, जानिए रेसिपी

वैसे तो मार्केट में कई तरह की चीज़ मौजूद हैं, लेकिन उनमें से सबसे ज्यादा मोज़रैला चीज़ को लोकप्रिय माना जाता है। चीज का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक के मुंह में पानी आ जाता है। खैर, अगर आपको और आपके परिवार को भी मोज़रैला चीज़ पसंद है तो आप घर पर हमारे द्वारा बताए जाने वाले कुछ आसान मोज़रैला चीज़ी व्यंजन ट्राई कर सकते हैं। आइए आज मोज़रैला चीज़ के पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं।

बेक्ड टोमैटो विद चीज़ : आप इस क्लासिक इटैलियन डिश को कुछ ही मिनट में तैयार करके इसका जायका ले सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बेकिंग प्लेट पर एक टमाटर काट लें, फिर उनके ऊपर ढेर सारा मोज़रैला और परमेसन चीज़ डालें। इसके बाद टमाटर पर तुलसी की कुछ पत्तियां, स्वादानुसार नमक और जैतून का तेल डालें। अब बेकिंग प्लेट को ओवन में रखकर 10 मिनट के लिए बेक करें, फिर इस व्यंजन कों नाश्ते या साइड डिश के रूप में खाएं।

मार्गेरिटा पिज्जा : अगर आप पहली बार कोई पिज्जा बनाना जा रहे हैं तो आपके लिए मार्गेरिटा पिज्जा बनाना आसान होगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बाजार से मिलने वाले रेडीमेड पिज्जा बेस लें और उस पर टोमैटो या फिर पिज्जा सॉस अच्छे से स्प्रेड करें। इसके बाद इस पर मोज़रैला चीज़ को कद्दूकस करके अच्छे से गार्निश करें। अब पिज्जा को ओवन ग्रील पर रखकर चार मिनट तक बेक करें, फिर इस स्वादिष्ट व्यंजन का जायका लें।

चीज़ी गार्लिक ब्रेड : चीज़ी गार्लिक ब्रेड बनाने के लिए सबसे पहले ओवन को प्री-हीट करें। इसके बाद हॉट डॉग वाली ब्रेड को बीच में से काट लें, फिर एक कटोरे में एक चम्मच मक्खन, थोड़ा बारीक कटा लहसुन, स्वादानुसार नमक, एक चुटकी काली मिर्च का पाउडर और थोड़ा जैतून का तेल मिलाकर इस मिश्रण को ब्रेड की स्लाइस पर फैलाएं। इसके बाद मोज़रैला चीज़ को कद्दूकस करके ब्रेड पर डालें और इसे 10 मिनट तक ओवन में बेक करके परोसें।

मैक एंड चीज़ : मैक एंड चीज़ एक ऐसा स्वादिष्ट व्यंजन है, जो अपनी दो प्रमुख सामग्रियों के कारण लोकप्रिय है एक तो पास्ता और दूसरा, मोज़रैला चीज़। इसके लिए सबसे पहले एक पैन में थोड़ा दूध उबालें, फिर उसमें पास्ता डालें। अब 10 मिनट तक इस मिश्रण को करछी की मदद से हिलाएं और ठीक से पकाएं। अब इसमें मोज़रैला चीज़ कद्दूकस करके डालें और जब चीज़ अच्छे से पिघल जाए तो समझ जाइए मैक एंड चीज तैयार है और इसे गर्मा-गर्म परोसें।

कैसे कपड़ों से हटा सकते हैं रोएं, अपनाएं ये घरेलू उपाय

आज के समय में कई ऐसे कपड़ें हैं जिनके रोएं बहुत जल्दी आ जाते हैं और फिर वह कपड़े अच्छे नहीं लगते हैं। कई लोग ऐसे कपड़े पहनना छोड़ देते हैं तो कई लोग कपड़ों से रोएं निकालने के लिए नए-नए तरीके खोजने लगते हैं। ऐसे में अगर आप भी इन रोएं से परेशान हैं तो हम आपको बताने जा रहे हैं आज कुछ टिप्स जिससे आप इन रोएं से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं।

घरेलू सामानों की मदद से रोएं को हटाएं-

रेगमाल का इस्तेमाल करें: अगर आप कपड़ों को इससे रगड़ेंगे, तो कपड़ों का रुआँ निकल जाएगा!

कैंची से रोएं को काटें: अगर रोएं की मात्रा और आकार अधिक है तो उन्हें ध्यान में रखते हुए, आप इसको कैंची से भी काट सकते हैं। जी दरअसल इसके लिए कपड़ों को किसी सपाट जगह पर फैलाया जाए। उसके बाद एक-एक रोएं को हाथ से उठाकर कैंची से काट दिया जाए। वैसे आप एक हाथ कपड़ों के नीचे डाल सकते हैं, ताकि रोएं को अच्छे से ऊपर उठाया जा सके और फिर इसको आसानी से काटा जा सके।

शेविंग रेज़र का इस्तेमाल करें: इसके लिए एक डिस्पोजेबल रेज़र लिया जाए और कपड़े को किसी सपाट जगह पर बिछा दिया जाए। उसके बाद रेज़र को इस्तेमाल करने वाली जगह पर कपड़े को एक हाथ से खींचकर पकड़ें, ऐसा करने से कपड़े को रेज़र से नुकसान नहीं पहुंचेगा। ध्यान रहे थोड़ा-थोड़ा करके बहुत आराम से रेजर से इसको साफ किया जाए।

स्वेटर कॉम्ब खरीदें: अगर आप रोएं से परेशान हैं तो स्वेटर कॉम्ब लें जो एक छोटा सा कंघा होता है। इसके दाँते खासतौर पर कपड़ों का रुआँ निकालने के लिए बनाए जाते हैं। जी हाँ और यह कंघा बालों वाले कंघे से पूरी तरह अलग होता है, क्योंकि इसके दांते छोटे और एक दूसरे के करीब होते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए कपड़े को तान कर रखें और फिर रोएं वाली जगह पर इसको आराम से चलाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

फेस्टिव सीजन के लिए फेस पाउडर चुनते और अप्लाई करते वक्त इन बातों का रखें ख्याल

फेस्टिव सीजन शुरू हो गया है। कुछ दिनों बाद दीपोत्सव की शुरुआत हो जाएगी। ऐसे में अगर आप भी सबसे सुंदर दिखना चाहती हैं तो आपको छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखना पड़ेगा। आपके कपड़ें हो या फिर आपका मेकअप दोनों ही चीजें आपके लुक को रिच दिखाने में मदद करती हैं। ऐसे में बेहद जरूरी है मेकअप के हर एक स्टेप के बारे में सही जानकारी और प्रोडक्ट का सही तरह से इस्तेमाल करना आपको आना चाहिए। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि फेस पाउडर का मेकअप के दौरान कैसे करना है इस्तेमाल और इसे खरीदते वक्त किन बातों का रखें ध्यान।

कॉम्पैक्ट पाउडर क्यों है जरूरी

फेस पाउडर को ही कॉम्पैक्ट पाउडर के नाम से भी जाना जाता है, जो मेकअप का एक जरूरी हिस्सा होता है। मेकअप लंबे समय तक टिका रहे इसके लिए फेस पाउडर जरूर इस्तेमाल किया जाता है। अक्सर महिलाएं कंफ्यूज रहती हैं कि उन्हें कौन सा पाउडर चुनना चाहिए। आइए जानते हैं इसके बारे में।

स्किन टाइप और कॉम्पैक्ट शेड

अक्सर लोग इस गलतफहमी में होते हैं कि फेस पाउडर जितना महंगा होगा उतना अच्छा होगा, लेकिन ये गलत है। महंगा नहीं बल्कि ये आपकी स्किन टोन से मैच करता हुआ होना चाहिए। ऐसा फेस पाउडर यूज करें जो दिखने में नेचुरल लगे। किसी वजह से स्किन टोन से मैचिंग पाउडर नहीं मिलता, तो ट्रांसल्यूसेंट पाउडर का इस्तेमाल करें।

कितने तरह से होते हैं फेस पाउडर?

मैट पाउडर- जिन लोगों की स्कीन ऑयली होती है उसके लिए ये फायदेमंद है। यह स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल एब्जॉर्ब करने के काम आता है।

लूज पाउडर- यह देखने में बिल्कुल नॉर्मल पाउडर के जैसा ही लगता है और स्किन को इवन कर हल्की चमक देता है।

प्रेस पाउडर- मेकअप के बाद टचअप के लिए इसी पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है।

शीयर पाउडर- इस पाउडर का इस्तेमाल चेहरे को एक्स्ट्रा ग्लो। देने के लिए हमेशा मेकअप के बाद किया जाता है।

कैसे पहचानें सही पाउडर?

अब आप सोच रहे होंगे कि सही पाउडर की पहचान कैसे करें। अच्छी क्वॉलिटी का फेस पाउडर हल्का और सिल्की टेक्सचर वाला होता है। ये आपके चेहरे पर सेट होकर एकदम नेचुरल जैसा लुक देता है। खराब क्वॉलिटी का फेस पाउडर लगाने के बाद चेहरे पर महीन सी रेखाएं नजर आने लगती हैं। साथ ही मेकअप पैची दिखने लगता है।

कॉम्पैक्ट कैसे लगाएं?

अगर आपने सही पाउडर खरीद भी लिया है तो अब आपको इसे सही तरीके से लगाना भी आना चाहिए। कॉम्पैक्ट लगाने से पहले चेहरे पर आइस क्यूब रगड़ लें। इससे स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं और एक्स्ट्रा ऑयल भी हट जाता है। इसके बाद मेकअप ब्रश की फेस पाउडर लगाएं। फेअर स्किन के लिए पिंक अंडर टोन का कॉम्पैक्ट खरीदें, वहीं सांवली रंगत के लिए ऑरेंज अंडर टोन वाला कॉम्पैक्ट पाउडर लें।

शब्द सामर्थ्य -108

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

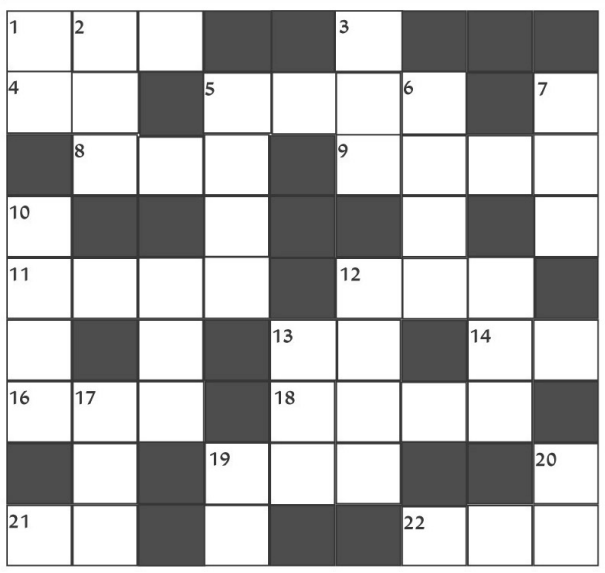

शब्द सामर्थ्य क्रमांक107 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सिंघम अगेन से क्लैश के बावजूद धुंआधार कमाई करेगी भूल भुलैया 3

इस बार की दिवाली बेहद खास होने वाली है। दो बिग बजट फिल्में भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन रिलीज हो रही हैं। दोनों ही फिल्मों के ट्रेलर रिलीज हो गए हैं और फैंस ने भर-भरकर प्यार दिया। दिवाली पर जबरदस्त क्लैश देखने को मिलने वाला है। ट्रेलर के बाद अजय देवगन की फिल्म की तरफ फैंस थोड़े से बायस्ड दिख रहे हैं। हालांकि, खबरें हैं कि इसके बावजूद कार्तिक आर्यन की फिल्म पर कुछ खास असर नहीं दिखेगा। भूल भुलैया 3 फ्रेंजाइजी की सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली मूवी बन सकती है। कोईमोई की रिपोर्ट के मुताबिक, भूल भुलैया 3 पहले दिन इंडियन बॉक्स ऑफिस पर नेट 17 से 20 करोड़ की कमाई कर सकती है। जो कि भूल भुलैया के दोनों पार्ट से ज्यादा होगा। भूल भुलैया 2 ने पहले दिन 14.11 करोड़ कमाए थे। मालूम हो कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर ऑफिशियली कुछ भी सामने नहीं आया है। भूल भुलैया 3 की बात करें तो इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन, तृप्ति डिमरी जैसे स्टार्स हैं। इस फिल्म के लिए कार्तिन मोटी फीस ली है। ये कार्तिक के करियर की अबतक की सबसे बड़ी फिल्म है। फैंस को इस फिल्म और कार्तिक से काफी उम्मीदें हैं। वहीं फैंस विद्या बालन और माधुरी दीक्षित का डांस फेसऑफ भी देखने के लिए बेसब्र हैं। फिल्म में विद्या और माधुरी मंजुलिका के रोल में हैं। फिल्म के ट्रेलर को 46 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया है। सिंघम अगेन की बात करें तो इसमें अक्षय कुमार, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, जैकी और टाइगर श्रॉफ जैसे स्टार्स भी नजर आएंगे। फिल्म को रोहित शेट्टी ने डायरेक्ट किया है। खबरें हैं कि इंडियन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म से 50 करोड़ से ज्यादा की ओपनिंग की उम्मीद लगाई गई है। (आरएनएस)

निखिल सिद्धार्थ स्टारर अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो का फर्स्ट लुक जारी

कार्तिकेय 2 से देशभर में लोकप्रियता हासिल करने वाले निखिल फिलहाल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। अभिनेता निखिल, जो लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं, और बहुमुखी निर्देशक सुधीर वर्मा, जो अपनी विभिन्न फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, के साथ एक एक्शन एंटरटेनर का निर्माण किया जा रहा है। इस दिलचस्प जोड़ी ने पहले ब्लॉकबस्टर फिल्मों स्वामी रारा और केशव में साथ काम किया था। प्रमुख प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा एलएलपी इस प्रोजेक्ट को अपनी 32वीं फिल्म के रूप में प्रोड्यूस कर रहा है। इसे वरिष्ठ और बेबाक निर्माता बीवीएसएन प्रसाद द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है, जिन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं। आज, फिल्म का पहला लुक और उसका दिलचस्प शीर्षक सामने आया। फिल्म का नाम अप्पुडो इप्पुडो इप्पुडो रखा गया है, जिसमें एक दिलचस्प कार तत्व है जो जिज्ञासा बढ़ाता है।

पहली झलक में निखिल और रुक्मिणी वसंत टहलते हुए नजर आ रहे हैं। निखिल स्टाइलिश अवतार में आकर्षक लग रहे हैं, जबकि रुक्मिणी वसंत अपनी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर रही हैं। पहली झलक प्रभावशाली है और एक मनोरंजक अनुभव का वादा करती है। ब्लॉकबस्टर स्वामी रारा की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को रोमांचित और गुदगुदाने के लिए वापस आ गई है।

ओटीटी पर भी शुरु हो चुका है सरकटे का आतंक!

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब जादू चलाया है। उनकी फिल्म को इतना पसंद किया गया कि ये फिल्म डेढ़ महीने तक सिनेमाघरों पर टिकी रही है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म को आज के समय में बहुत पसंद किया जा रहा है। ये एक ऐसा जॉनर बन गया है जिसकी फिल्में जैसे ही रिलीज हो रही हैं वो बॉक्स ऑफिस पर छा जा रही हैं। सिनेमाघरों पर धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी पर स्त्री 2 रिलीज हो गई है। फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का फैंस लंबे समय से इतंजार कर रहे थे। अब ये इंतजार खत्म हो गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भी इसकी ऑफिशियल जानकारी दे दी है।

स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के साथ पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। फिल्म में अक्षय कुमार का कैमियो है। जो अगले पार्ट में बड़े रोल में नजर आएगा।

स्त्री 2 को अमेजन प्राइम पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म को आप फ्री में देख सकते हैं। अब ये फिल्म रेंटल पर नहीं है। अमेजन प्राइम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके स्त्री 2 की ओटीटी रिलीज की जानकारी दी है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- स्त्री आ चुकी है। स्त्री प्राइम पर। इसका वीडियो बहुत मजेदार है। हर कोई चीखता हुआ ही नजर आ रहा है। कभी स्त्री को देखकर तो कभी सरकटे को देखकर।

स्त्री 2 को सिनेमाघरों पर 15 अगस्त को रिलीज किया गया था। इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा रिलीज हुई थी। दोनों ही बड़े स्टार की फिल्मों को स्त्री 2 ने पीछे छोड़ दिया था। पहले दिन ही कलेक्शन के मामले में ये फिल्में स्त्री 2 से कोसो दूर थीं। उसके बाद से अब तक सिनेमाघरों में जितनी भी फिल्में रिलीज हुई हैं वो स्त्री 2 को मात नहीं दे पाई हैं। (आरएनएस)

मेरे काम को लंबे समय तक याद रखा जाना चहिए : दीपिका सिंह

जब से लोकप्रिय टेलीविजन स्टार दीपिका सिंह ने छोटे पर्दे पर काम करना शुरू किया है, उन्होंने सुनिश्चित किया है कि महिलाएं केंद्र में रहें। अभिनेत्री ने कहा कि मेरा प्रयास रहता है कि मेरे काम को लंबे समय तक याद रखा जाए।

महिलाओं को केंद्र में रखकर भूमिकाएं चुनने के बारे में दीपिका ने बताया कि मैं कोई भी भूमिका लेते समय बहुत सतर्क रहती हूं और इसीलिए मैं अपनी परियोजनाओं को चुनने में समय लेती हूं। मेरे द्वारा किए जाने वाले शो या काम का प्रभाव लंबे समय तक होना चहिए और उसे वर्षों तक याद रखा जाना चाहिए।

दीया और बाती हम में आईपीएस संध्या राठी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा, जब मैंने यह शो सुना, तो मुझे लगा कि मैं इसमें सहज रूप से फिट बैठती हूं। हालांकि यह बेहद ही चुनौतीपूर्ण था, मगर इसने मुझे इसे करने की ताकत दी। मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मेरा किरदार मेरे लिए और ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करने वाली सभी महिलाओं के लिए एक मजबूत संदेश है।

35 वर्षीय अभिनेत्री ने मंगल लक्ष्मी के साथ वापसी की, जो छोटे पर्दे पर सबसे लोकप्रिय शो में से एक बन गया है।

अभिनेत्री ने कहा, जब आप कोई शो करते हैं, तो आपको नहीं पता होता कि यह अच्छा चलेगा या नहीं। आप दृढ़ विश्वास के साथ इसमें जाते हैं और इससे सर्वश्रेष्ठ पाने की उम्मीद करते हैं। मेरे माता-पिता और मेरे ससुराल वाले धमाकेदार तरीके से वापस आने के लिए उत्सुक थे। उनके आशीर्वाद और मेरी कड़ी मेहनत ने मुझे मेरे प्रशंसकों का प्यार दिया है, जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं।

दीपिका ने कहा, मैं खुद को धन्य महसूस करती हूं, और मैं सभी के प्यार के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखूंगी। किस्मत मदद करती है, लेकिन कड़ी मेहनत के बिना कोई भी चीज लोकप्रियता हासिल नहीं कर सकती। मुझे खुशी है कि हमारे प्रयास रंग ला रहे हैं।

नई दिल्ली में जन्मी अभिनेत्री का दृढ़ विश्वास है कि यह शो महिलाओं को सशक्त बनाता है और उनका किरदार आज की दुनिया में गृहिणियों से संबंधित है।

उन्होंने कहा, मंगल एक गृहिणी है और वह हर उस चीज के लिए खड़ी होती है, जो सही है। आज की दुनिया में महिलाएं सशक्त महसूस करती हैं, क्योंकि उनका एक हिस्सा किसी भी कामकाजी महिला जितना ही शक्तिशाली है और मंगल के इस किरदार में वह शक्ति है, जो हर महिला की ताकत है।

मुझे खुशी है कि इसे व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है।

शो की बढ़ती टीआरपी के साथ दीपिका इस बात से खुश हैं कि इसे दर्शकों का इतना प्यार मिल रहा है।

मंगल लक्ष्मी कलर्स पर प्रसारित होता है।

एयरपोर्ट पर किलर लुक में स्पॉट हुई त्रिधा चौधरी

ओटीटी एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के चलते सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज अक्सर इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में आश्रम की बबीता को पैपराजी ने एयरपोर्ट पर स्पॉट किया। इस दौरान उनका लेटेस्ट लुक इंटरनेट पर छा गया।

एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं।

बता दें कि त्रिधा को बॉबी देओल की ब्लॉकबास्टर वेब सीरीज आश्रम से काफी पहचान मिली है। एक्ट्रेस ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि लुक्स से भी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

हाल ही में पैपराजी ने एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी को एयरपोर्ट जाते हुए स्पॉट किया था। जहां उनका किलर लुक देखकर फैंस तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी ने व्हाइट कलर की पेंट और साथ ही क्रॉप टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढक़र एक पोज दे रहे हैं।

चेहरे पर प्यारी सी स्माइल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

त्रिधा चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी ज्यादा तगड़ी है।

युद्ध कब तक चलेंगे, कुछ नहीं कहा जा सकता

सत्येन्द्र रंजन

इजराइल ने लेबनान पर जमीनी हमले की शुरुआत कर दी है। विश्लेषकों के मुताबिक अब इस युद्ध का परिणाम इसी युद्ध पर निर्भर करता है। 2006 की तरह हिज्बुल्लाह ने इजराइल को विजयी नहीं होने दिया, तो इजराइल को हालात बेहद प्रतिकूल हो जाएंगे। लेकिन इजराइल जीता, तो फिर यह संभव है कि फिलहाल इस इलाके पर उसका वर्चस्व फिर कायम हो जाए। लेकिन क्या उससे मौजूद युद्ध थम जाएगा?

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध में सितंबर के दूसरे पखवाड़े में समीकरण नाटकीय रूप से बदले। निर्विवाद है कि इस अवधि में इजराइल ने बाजी पलट दी। सितंबर के पहले पखवाड़े तक सूरत यह थी कि इजराइल घिरा नजर आता था। गज़ा में उसके जारी नरसंहार से पास-पड़ोस में असीम आक्रोश था। उधर प्रतिरोध की धुरी' की युद्ध संघर्षण रणनीति कामयाब नजर आती थी। क्षय का युद्ध का अर्थ ऐसी जंग से समझा जाता है, जिसमें लंबी लड़ाई की रणनीति अपनाई जाती है। उस दौरान छोटे हमले जारी रखे जाते हैं, लेकिन खुल कर युद्ध यानी ऑल आउट वॉर नहीं होता। मकसद होता है, धीरे-धीरे दुश्मन की क्षमता को क्षीण करना, जिससे एक बिंदु पर जाकर पर वह समर्पण कर दे। अक्सर अपेक्षाकृत कमजोर ताकतें मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ यह रणनीति अपनाती हैं।

साल भर से (सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के साथ मौजूदा युद्ध शुरू हुआ था) जारी युद्ध के दौरान रणनीति खासी कामयाब साबित हुई। इस दौरान इजराइल की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई और उसके मनोबल पर बहुत खराब असर पड़ा। हकीकत यह है कि अमेरिका से वित्तीय और हथियारों की लगातार मदद नहीं मिलती, तो इजराइल की अंदरूनी व्यवस्था इस अवधि में ढह चुकी होती। इस सिलसिले में यह भी उल्लेखनीय है कि इस वक्त इजराइल के अंदर अभूतपूर्व सियासी बंटवारा और टकराव है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अलोकप्रियता चरम पर है।

इन स्थितियों में नेतन्याहू प्रतिरोध की धुरी' के खिलाफ ऑल आउट वॉर के लिए बेसब्र होते गए, तो यह बात समझी जा सकती है। उनके इस आकलन में दम है कि सिर्फ इसी तरीके से इजराइल अपना अस्तित्व बचा सकता है और वे अपना सियासी वजूद बचा सकते हैं। मगर दो हफ्ते पहले तक ऑल आउट वॉर के अपने खतरे थे। लेबनान स्थित हिज्बुल्लाह पिछले चार दशक में एक मजबूत अर्ध-सैनिक शक्ति बन कर उभरा है। 2006 के युद्ध में उसने इजराइल को बराबरी पर रोक लिया था, जिसे हिज्बुल्लाह की नैतिक जीत माना गया। अब मारे जा चुके हिज्बुल्लाह प्रमुख हसन नसरुल्लाह अपने समूह को पश्चिम एशिया की एक प्रमुख सैनिक एवं राजनीतिक इकाई में तब्दील करने में कामयाब रहे थे।

हिज्बुल्ला की उस प्रतिरोध की धुरी की प्रमुख भूमिका रही है, कहा जाता है कि जिसकी कमान ईरान के हाथ में है। हमास, यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती), इराक स्थित इराक रेजिस्टैंस फोर्स, और सीरिया स्थित राष्ट्रपति बशर अल-असद समर्थक समूह इस धुरी के अन्य सदस्य माने जाते हैं। इस धुरी की इकाइयां पूरे तालमेल के साथ काम करती हैं, ऐसा नहीं है, फिर भी मोटे तौर पर उनमें सहयोग रहता है।

तो सवाल यही है कि यह धुरी प्रभावशाली दिखते-दिखते अचानक कमजोर कैसे पड़ गई?

इस बारे में अब कुछ ठोस जानकारियां सामने चुकी हैं। सारा फर्क रहस्यमय परिस्थितियों में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में ईरान में तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत से पड़ा। रईसी समझौता-विहीन रुख वाले नेता थे। उन्हें उच्च-कोटि का रणनीतिकार माना जाता था। उनकी मौत के बाद ईरान में हुए चुनाव में उदारवादी और पश्चिम (यानी अमेरिका) के प्रति नरम रुख रखने वाले मसूद पेजेश्कियान राष्ट्रपति चुने गए। उनका नजरिया ही प्रतिरोध की धुरी के लिए फिलहाल घातक साबित हुआ है।

पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने आए हमास के नेता इस्माइल हानिया की इजराइली खुफिया एजेंसियों ने तेहरान में हत्या करवा दी। तब ईरान ने इसका बदला लेने का एलान किया था। बताया जाता है कि ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनई भी इस पक्ष में थे कि ईरान को जोरदार जवाब दिया जाए। लेकिन इसी बीच पश्चिमी देशों ने मध्यस्थता की। पेजेश्कियान उनकी बातों में आ गए। पश्चिम की तरफ से फॉर्मूला दिया गया कि अगर ईरान जवाबी हमला ना करे, तो वे (यानी अमेरिका) इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच शांति समझौता करवा देंगे, जिसके तहत इजराइल लेबनान पर हमले का इरादा छोड़ देगा।

पेजेश्कियान ने ये शर्त मंजूर कर ली। उन्होंने खामेनई की अवज्ञा करते हुए बदले की कार्रवाई का इरादा टाल दिया। उन्होंने हिज्बुल्लाह को संदेश भेज दिया कि इजराइल लेबनान पर हमला नहीं करेगा। बताया जाता है कि फिनलैंड के प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर स्टब ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। समझा जाता है कि उन्होंने जो शांति फॉर्मूला दिया, उस पर ही विचार के लिए हिज्बुल्लाह नेता एक जगह इकट्ठे हुए थे, जिस समय इजराइली विमानों ने घोर बमबारी कर दी। इसमें हिज्बुल्लाह के सात सर्वोच्च नेता मारे गए।

अब पेजेश्कियान ने खुद कहा है- अमेरिका और यूरोप ने दावा किया था कि अगर ईरान इस्माइल हानिया की हत्या का जवाब देने में देर करे, तो गजा में युद्धविराम हो जाएगा। मगर उन्होंने झूठ बोला था।'

ईरान के अखबार ला पर्सियन ने यह खबर छापी है कि नसरुल्लाह के सही लोकेशन और उनके कार्यक्रम की जानकारी एक ईरानी खबरी ने ही इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद को दी। यह खबरी कौन था, इसको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया है कि ईरान में मोसाद की मौजूदगी खत्म करने के लिए सरकार ने एक मोसाद विरोधी एजेंसी बनाई थी। मगर इस एजेंसी का प्रमुख ही मोसाद का एजेंट निकला। क्या उसी एजेंट ने यह सूचना लीक की, इसको लेकर अटकलें लग रही हैं। हिज्बुल्लाह की हर सूचना का ईरानी एजेंसी के पास मौजूद होना सूचनाओं के स्वाभाविक आदान-प्रदान का हिस्सा रहा है।

ईरान का रुख बदल जाने की चर्चा नसरुल्लाह की हत्या के पहले ही चर्चित हो गई थी। लेबनान स्थित शिया मौलवी अली अल-हुसैनी ने उसके कुछ ही दिन पहले एक टीवी इंटरव्यू में कह दिया था कि नसरुल्लाह को अपना वसीयत लिख लेना चाहिए, क्योंकि ईरान उनसे विश्वासघात कर चुका है।

ईरान में इजराइली जासूसों की मौजूदगी पहले से थी। या कहें कि हमेशा रही है। इसी वजह से इजराइल तेहरान में हमास नेता की हत्या कर पाया। इसके अलावा गुजरे एक साल के अंदर ही ईरान के भीतर कई आतंकवादी हमले हुए। मगर अब यह निर्विवाद है कि ईरान के लोगों का पश्चिम के प्रति उदार नेता का राष्ट्रपति चुनना प्रतिरोध की धुरी के लिए घातक साबित हुआ है।

पश्चिमी/अमेरिकी नेताओं की बात पर भरोसा सिर्फ अपने नुकसान की कीमत पर ही किया जा सकता है। ऐसा भरोसा मिखाइल गोर्बाचेव ने किया, जिसका परिणाम सोवियत यूनियन जैसी बड़ी ताकत के विघटन और बाद में रूस के दरवाजे तक नाटो के विस्तार के रूप में सामने आया। उन पर भरोसा कर रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने मिन्स्क 1 और 2 समझौते किए और सोचा कि इससे यूक्रेन के दोनबास इलाके में मौजूद रूसी आबादी के हित सुरक्षित हो जाएंगे। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जर्मनी की पूर्व चांसलर अंगेला मैर्केल ने एक मीडिया इंटरव्यू में कहा था कि मिन्स्क समझौता समय काटने का बहाना था, ताकि यूक्रेन रूस का मुकाबला करने के लिए तैयार हो सके। समझौते के वक्त मैर्केल चांसलर थीं और वे भी समझौते की एक गारंटर थीं।

अमेरीकी नेताओं पर भरोसा चीन ने किया, जब अमेरिका ने 1979 में वन चाइना पॉलिसी का एलान किया। तब चीनी नेताओं को अंदाजा नहीं होगा कि यह महज एक अमेरिकी रणनीति है। जिस रोज उनके हित चीन से टकराएंगे, वे फिर से ताइवान का मामला उठा देंगे। खुद भरोसा ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति हसन रूहानी ने उन पर किया था, जब 2015 में उन्होंने पी-5+1 (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी) के साथ परमाणु समझौता किया। इसके तहत ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम रोक दिया। तब अमेरिका के ओबामा प्रशासन ने ईरान पर से कई प्रतिबंध हटा लिए। लेकिन दो वर्ष बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका को उस समझौते से निकाल लिया और फिर से ईरान पर सख्त प्रतिबंध थोप दिए।

इस अनुभव के बावजूद पेजेश्कियान ने पश्चिम पर यकीन किया और प्रतिरोध की धुरी के कमजोर पडने़ का रास्ता साफ किया। इससे प्रतिरोध की धुरी के बीच ईरान की साख पर गहरा बट्टा लगा। इसके बाद ईरान के सामने सिर्फ यही विकल्प बचा था कि वह इजराइल पर हमला करने का जोखिम उठाए। खबरों के मुताबिक साख को पहुंचे नुकसान से पूरी तरह परिचित वहां के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनई ने कमान अपने हाथ में ली। उन्होंने इजराइल पर विशाल पैमाने पर मिसाइल हमला करने का आदेश ईरान की सेना को दिया।

ईरानी समय के अनुसार मंगलवार रात आठ बजे के करीब ईरान ने मिसाइलें दागनी शुरू कर दीं। कुछ अनुमानों में कहा गया है कि उसने करीब 180 मिसाइलें दागीं, जबकि कुछ अनुमानों में इनकी संख्या 400 तक बताई गई है। ईरान ने हमलों के दौरान बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ-साथ सुपरसोनिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इनसे कितना नुकसान हुआ, इस बारे में इजराइल ने कोई जानकारी नहीं दी है। उसने सिर्फ यह कहा है कि किसी की जान नहीं गई। इन हमलों से ईरान ने एक हद तक संतुलन बहाल कर दिया। इनसे धारणा टूटी कि इजराइल पर प्रतिरोध की धुरी का दबाव घट गया है। बल्कि इन हमलों के साथ ही जिस तरह यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती) और इराक रेजिस्टैंस फोर्स ने इजराइली जमीन को निशाना बनाने का एलान किया, उससे यह दबाव आने वाले समय में और बढ़ सकता है।

वैसे इजराइल ने लेबनान पर जमीनी हमले की शुरुआत कर दी है। विश्लेषकों के मुताबिक अब इस युद्ध का परिणाम इसी युद्ध पर निर्भर करता है। 2006 की तरह हिज्बुल्लाह ने इजराइल को विजयी नहीं होने दिया, तो इजराइल को हालात बेहद प्रतिकूल हो जाएंगे। लेकिन इजराइल जीता, तो फिर यह संभव है कि फिलहाल इस इलाके पर उसका वर्चस्व फिर कायम हो जाए।

लेकिन क्या उससे मौजूद युद्ध थम जाएगा? इस सवाल का जवाब पाने के लिए हमें इस प्रश्न की तह में जाना होगा कि आखिर इस मौके पर दुनिया के विभिन्न इलाकों में युद्ध के हॉटस्पॉट क्यों उभर आए हैं? युद्ध यूक्रेन में चल रहा है, पश्चिम अफ्रीका में एक अलग रूप में यह आगे बढ़ा है, और सबसे ज्यादा खतरा एशिया-प्रशांत में मंडरा रहा है। पश्चिम एशिया का युद्ध इस पूरे वातावरण से अलग नहीं है।

नई परिस्थितियां एक आर्थिक ताकत के रूप में अमेरिका के क्षय और चीन के अभूतपूर्व उदय से निर्मित हुई हैं। हालांकि सैन्य क्षेत्र में अमेरिकी की संहारक शक्ति अब भी बिना किसी मुकाबले की है, फिर भी उसे चुनौती देने वाली ताकतें अलग-अलग इलाकों में उभर चुकी हैं। कम-से-कम चीन और रूस दो ऐसी बड़ी ताकत के रूप में उभर कर सामने आए हैं। इन नई परिस्थितियों के कारण अमेरिका के लिए दुनिया को मनमाने ढंग से चलाना असंभव हो गया है। लेकिन अपनी इस नई हैसियत को वहां का शासक वर्ग स्वीकार करने को तैयार नहीं है। नतीजा, युद्ध के हॉटस्पॉट्स गरम करने की रणनीति अपनाई गई है।

दरअसल, युद्ध की वैश्विक स्थितियों के कई आयाम हैं। सैन्य मोर्चे उसका एक आयाम हैं। आर्थिक और मौद्रिक क्षेत्र इसके दो अन्य प्रमुख आयाम हैं। अमेरिकी वर्चस्व को असल चुनौती चीन की आर्थिक ताकत और उसके इर्द-गिर्द बने नए समीकरणों से पेश आई है। इन समीकरणों में ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन, यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन का उल्लेख किया जा सकता है। इनके अलावा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव है, जिसका दायरा अफ्रीका से लेकर लैटिन अमेरिका तक फैला हुआ है। रूस और चीन के बीच उभरी धुरी ने इस समीकरण में सैन्य आयाम जोड़ा है। इसलिए ये टकराव आने वाले दिनों में किस तरह के मोड़ लेगा, इसका अनुमान लगाना आसान नहीं है। युद्ध कब तक चलेंगे, इस बारे में भी फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता।

सू- दोकू क्र. 108

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.107 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

किशोर ने शिक्षा सचिव से की टिहरी में केन्द्रीय विद्यालय खोलने की मांग

संवाददाता

देहरादून। विधायक किशोर उपाध्याय ने केन्द्रीय शिक्षा सचिव संजय कुमार से टिहरी के गौसारी लामारीधार में केन्द्रीय विद्यालय खोलने की मांग की।

आज यहां विधायक किशोर उपाध्याय ने केन्द्रीय शिक्षा सचिव संजय कुमार से मुलाकात कर पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि इस धरती ने वीर गब्बर सिंह तथा अमर शहीद श्रीदेव सुमन जैसे महापुरूषों को जन्म देने जैसा पुनीत कार्य किया। तथा पर्यावरणविद स्व. सुन्दरलाल बहुगुणा तथा अपने जीवनकाल में 50 लाख से अधिक वृक्षों का वृहद वन लगाने का कार्य भी इस धरती

के बेटे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. विशेश्वर दत्त सकलानी ने किया और अपना जीवन हमारे भविष्य की पीढियो की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में दुर्भाग्यवश टिहरी राज्य की स्थिति स्वतंत्रता से पूर्व और उसके उपरान्त अत्यन्त दयनीय रही है और आज भी कोई गुणात्मक सकारात्मक अन्तर नहीं पडा है। उन्होंने मांग की है कि टिहरी जनपद के गौसारी, विकासखण्ड जाखणीधार में एक केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना हेतु आदेश निर्गत करें।

ट्रक चोरी करने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। ट्रक चोरी मामले का मात्र 24 घंटो में खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीते 25 अक्टूबर को रविन्द्र पाल पुत्र राधेश्याम निवासी भूतबंगला थाना रुद्रपुर उधमसिंह नगर द्वारा थाना पंतनगर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनका ट्रक 10 टायरा अज्ञात चोर द्वारा दिग्विजय कम्पनी के पास सिडकुल औद्यौगिक क्षेत्र पंतगर से चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसने पूछताछ में अपना नाम गोपाल यादव पुत्र नत्थुलाल निवासी ग्राम मिर्जापुर जागिर थाना भोजीपुरा जनपद बरेली उ.प्र. बताया। जिसके कब्जे से चुराया गया ट्रक भी बरामद हुआ है।

केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन को लेकर ईवीएम मशीनों का किया प्रथम रेंडमाईजेशन

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने संबंधित अधिकारियों व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में केदारनाथ उप निर्वाचन हेतु उपयोग में लाए जाने वाले ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का एनआईसी कक्ष में प्रथम रेंडमाईजेशन किया गया। इस अवसर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक एनआईसी मनीष जुगरान भी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया है कि 07-केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन प्रक्रिया को संपादित कराने के लिए 173 पोलिंग बूथों के लिए 192 प्रतिशत रिजर्व सहित मशीनें निर्वाचन प्रक्रिया के उपयोग में लाई जाएंगी, जिसमें 332 सीयू, 332 बीयू तथा 332 वीवीपैट्स मशीनें शामिल हैं जिनका आज प्रथम रेंडमाईजेशन किया गया।

नोडल अधिकारी ईवीएम मीनल गुलाटी ने अवगत कराया है कि 350 सीयू, 353 बीयू, 354 वीवीपैट्स मशीनें उपलब्ध हैं जिसमें 18-18 सीयू, बीयू एवं वीवीपैट्स मशीनों को प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध कराई गई हैं तथा शेष मशीनों को निर्वाचन प्रक्रिया को संपादित कराने के लिए आज रेंडमाईजेशन किया गया है।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा महावीर सिंह पंवार, भाजपा प्रतिनिधि विक्रम सिंह, कांग्रेस से एडवोकेट जीतपाल सिंह कठैत, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, रिटर्निंग अधिकारी अनिल कुमार शुक्ला, सहायक रिटर्निंग अधिकारी प्रदीप नेगी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी दीप्ति चमोली, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरज कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार बताएं मस्जिद वैध या अवैधः अविमुक्तेश्वरानन्द

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में मस्जिद विवाद पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए सरकार की चुप्पी पर सवाल खड़ा किया है उनका कहना है कि इस मुद्दे पर सरकार बताएं कि मस्जिद वैध है या अवैध। सरकार ने इस विवाद में जनता को क्यों उलझा रखा है।

उनका कहना है कि अगर मस्जिद अवैध है तो सरकार उसे गिरवा दे वह इस पूरे मुद्दे पर चुप क्यों है और क्यों इस विवाद में जनता को उलझा रही है। अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाने वाले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का कहना कदाचित भी अनुचित इसलिए भी नहीं है क्योंकि सरकार अवैध धार्मिक संरचनाओं की आड़ में किये जाने वाले अतिक्रमण पर लंबे समय से बुलडोजर चलाती रही है। अविमुक्तेश्वरानंद का

❑आम जनता को क्यों उलझा रही है सरकार
❑पत्थरबाजी गलत, करें कार्यवाही

साफ कहना है कि सरकार को बताना चाहिए कि मस्जिद अवैध है अथवा वैध और अवैध है तो सरकार को इसे गिरा देना चाहिए बेकार में आम लोगों के सर क्यों फुड़वाये जा रहे हैं।

आक्रोश रैली के दौरान पहले पत्थर किसने चलाया यह अभी तक साफ नहीं हो सका है। पुलिस को इस बात की भी जांच करनी चाहिए जिससे यह पता चल सके कि इस विवाद का मास्टरमाइंड कौन है। पुलिस ने कुछ नामजद लोगों सहित बड़ी संख्या में लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सवाल यह भी उठ रहा है कि सरकार अपने बनाए गए नए दंगा रोधी कानून के खिलाफ दंगाइयों पर कार्यवाही करेगी उधर हिंदू संगठनों की कुछ दिनो बाद महा पंचायत बुलाई गई है जिस पर शासन-प्रशासन की नजर है। उत्तरकाशी में आज बाजार खुला है लेकिन अभी तनाव बरकरार है तथा पुलिस प्रशासन भी चौकन्ना है। पुलिस ने धारा 163 के उल्लंघन में कुछ और लोगों को भी गिरफ्तार किया है

सात जुआरी गिरफ्तार, लाखों की नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। त्यौहारी सीजन के दौरान जुआ खेल रहे सात जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 2 लाख 18 हजार 350 रूपये की नगदी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना वनभूलपुरा व एसओजी टीम को सूचना मिली कि कुछ जुआरी लोकेश जैन के घर टनकपुर रोड होली तिराहा के पास जुआ खेल रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी टीम द्वारा संयुक्त छापेमारी की गयी और वहां से 7 जुआरियो को 2 लाख 18 हजार 350 रूपये की नगदी सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम भुवन जोशी पुत्र स्व. भास्कर जोशी निवासी कुसुम खेड़ा हनुमान मंदिर उत्तरांचल विहार थाना मुखानी,

लोकेश जैन पुत्र आर के जैन निवासी टनकपुर रोड जवाहर नगर थाना बनभूलपुरा, जुनैद पुत्र याकूब निवासी लाइन नंबर 7 थाना बनभूलपुरा, फिरोज पुत्र गफ्फार अहमद निवासी गोल्डन फर्नीचर के सामने ट्यूबवेल के पास गौजाजाली थाना बनभूलपुरा, इंतजार हुसैन पुत्र नबी हुसैन निवासी लाइन नंबर 8 थाना बनभूलपुरा, नरेंद्र बिष्ट पुत्र स्व. आनंद सिंह बिष्ट रेलवे स्टेशन क्वार्टर काठगोदाम स्थाई निवासी ग्राम लोडली पोस्ट बेड़ी खाल जिला पौड़ी व मंजे सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह निवासी मल्ला गोरखपुर थाना हल्द्वानी बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ जुआ अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

पर्यावरण मित्रों को दें दिवाली पर बोनसः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए पर्यावरण मित्रों को दिवाली पर बोनस देने की मांग की।

आज यहां महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लाल चंद शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों के प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त नगर निगम से मुलाकात कर ज्ञापन प्रेषित किया। इस दौरान, लाल चंद शर्मा ने कहा कि स्वच्छता समितियों से जुड़े पर्यावरण मित्र मेहनत से काम करते हैं और शहर के मोहल्लों की सफाई व्यवस्था के लिए जुटे रहते हैं। उन्होंने बताया कि इन कर्मियों का वेतन पहले से ही कम है, इसलिए कांग्रेस की मांग है कि दीवाली पर्व के अवसर पर इन्हें बोनस दिया जाए। शर्मा ने कहा कि दीवाली से पहले शहर में स्ट्रीट लाइट सिस्टम को ठीक किया जाए ताकि लोगों को सहूलियत हो। इसके अलावा वार्डों के मोहल्लों की सड़कों में गड्ढों को भरने का काम किया जाए। उन्होंने यह भी

मांग की कि वार्डों में प्रस्तावित कामों को शुरू किया जाए और जल्द से जल्द टेंडर करके काम शुरू किए जाएं। दीवाली और धनतेरस के अवसर पर बाजारी इलाकों में भीड़ को देखते हुए, शर्मा ने नगर निगम से अनुरोध किया कि बाजार में व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को परेशानी नहीं होगी और त्योहार का आनंद लेने में मदद मिलेगी। पूर्व विधायक राजकुमार ने जोर देकर कहा है कि स्वच्छता, सड़कों की मरम्मत, और जल आपूर्ति की समस्याओं का समाधान करना अत्यंत आवश्यक है। ये मुद्दे न केवल आमजन की दैनिक जिंदगी को प्रभावित करते हैं, बल्कि वे हमारे समाज की सामूहिक सेहत और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता दीप वोहरा, पार्षद रमेश कुमार मंगू, संजय काल, आशीष गुसाईं, महेन्द्र रावत, अनुराग गुप्ता, अनूप कपूर, अर्जुन सोनकर, आनंद त्यागी, नवीन रमोला, सोमप्रकाश वाल्मीकि, सुरेश चंद, सुरेश कुमार सुरेन्द्र कुमार, राजेश पंवार आदि मौजूद रहे।

एक नजर

इजराइल ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर किये हवाई हमले !

तेल अवीव। इजराइल ने शनिवार तड़के ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं, जो तेहरान की तरफ से पिछले दिनों तेल अवीव पर किए गए कई हमलों के जवाब में है, जिससे मध्य पूर्व एक गहरे संकट में फंस गया है। ईरान पर इजराइली हमले 26 दिनों के बाद हुए हैं, जब ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की कई लहरें दागीं थीं, जिससे लाखों इजराइली बम आश्रयों में शरण लेने को मजबूर हुए थे और कई घरों और हवाई ठिकानों को नुकसान पहुंचा था। इजराइल की सेना ने इस ऑपरेशन को ईरान में सैन्य ठिकानों पर सटीक हमला बताया है, हालांकि नुकसान के बारे में फिलहाल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन ईरान ने कहा है, कि निश्चित तौर पर जवाबी कार्रवाई करेगा। ईरान पर हुए हमले के बाद मिडिल ईस्ट में भीषण जंग की आशंका काफी ज्यादा बढ़ गई है। इजरायली सेना ने दावा किया है, कि ईरान और उसके क्षेत्रीय समर्थक 7 अक्टूबर से लगातार सात मोर्चों पर इजराइल पर हमला कर रहे हैं, जिसमें ईरानी क्षेत्र से सीधे हमले भी शामिल हैं। बयान में कहा गया है, कि दुनिया के हर दूसरे संप्रभु देश की तरह, इजरायल राज्य को भी जवाब देने का अधिकार और कर्तव्य है। माना जा रहा है, कि अगर अब ईरान फिर से इजराइल पर पलटवार करेगा, तो इजराइली डिफेंस फोर्स ऐसे हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है, जो ईरान में भीषण तबाही मचा सकता है।

यूपी में ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश नाकाम!

लखनऊ। लखनऊ के पास मलिहाबाद रेलवे स्टेशन के नजदीक बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस के साथ एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। जानकारी के अनुसार, ट्रेन की पटरी पर करीब 6 किलो वजन का और 2 फीट लंबा लकड़ी का ब्लॉक रखकर पटरी से उतारने की साजिश रची गई थी। जैसे ही यह ट्रेन उस स्थान पर पहुंची, लकड़ी का ब्लॉक ट्रेन के नीचे फंस गया। ट्रेन के पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई। घटना के तुरंत बाद रेलवे अधिकारियों और स्टेशन मास्टर को जानकारी दी गई। दोनों ट्रैक्स की पूरी जांच करवाई गई, और अप ट्रैक पर भी ऐसा ही एक लकड़ी का ब्लॉक पाया गया। अधिकारियों ने इस ब्लॉक को ट्रैक से हटा दिया और फिर से ट्रैक को चालू करने की प्रक्रिया शुरू की। इस घटना के बाद करीब दो घंटे तक ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही, घटना की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए मलिहाबाद रेलवे स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है।

मकान में आग लगने से चार युवकों की जलकर मौत

गुरुग्राम । गुरुग्राम के एक मकान में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई है। यह आग सरस्वती एनक्लेव स्थित एक मकान में लगी। दरअसल देर रात सरस्वती एनक्लेव के जे ब्लॉक स्थित मकान के कमरे में शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई। घटना के वक्त मृतकों के परिजन किसी अन्य कमरे में सो रहे थे। हादसे में कमरे में सो रहे चार युवकों की मौत हो गई जिनकी उम्र 17 साल, 22 साल, 24 साल और 28 साल थी। जानकारी के अनुसार, चारों मृतक बिहार के रहने वाले थे और गुरुग्राम के सरस्वती एनक्लेव में रहते थे। वे जे ब्लॉक हवा महल के नजदीक एक कमरे में किराए पर रहते थे। वहीं गुरुग्राम में ही आग लगने की एक दूसरी घटना बसई रोड से सामने आई। यहां एक मकान में आग लगने से कई लोग वहां फंस गए और अफरातफरी मच गई। फिलहाल सभी महिलाओं और बच्चों को स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर निकाल लिया है। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौजूद है और आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले साउथ वेस्ट दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में भी सोमवार तड़के एक मकान में आग लगने से पूरा परिवार चपेट में आ गया था, जिससे परिवार के 5 लोग झुलस गए थे। आनन-फानन में पांचों को अलग-अलग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। यह हादसा किशनगढ़ थाना इलाके के सनी बाजार रोड स्थित नंद भवन नाम के बिल्डिंग में हुआ।

न्यायालयों में राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों में ठोस पैरवी की जाएः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में न्याय विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों पर आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय में राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों में ठोस पैरवी की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड युवा राज्य है। राज्य के समग्र विकास के लिए हम सबको नई कार्य संस्कृति के साथ आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालयों से संबंधित मामलों में कार्यवाही में तेजी लाने के लिए डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग किया जाये। यह सुनिश्चित किया जाए राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर पैरवी मजबूती के साथ हो। राज्य की विकास यात्रा में सबको सहयात्री बनकर कार्य करना है। सभी को अपने कार्यों और दायित्वों का पूरे मनोयोग से निर्वहन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कार्यसंस्कृति में नवाचार जरूरी है, परम्परा से हटकर हमें अभिनव प्रयोग पर अधिक ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर बेहतर पैरवी के लिए शासन और सरकारी अधिवक्ताओं के बीच नियमित समन्वय होना जरूरी है। कार्यों के सफल क्रियान्वयन के लिए परफोर्मेंस आधारित दृष्टिकोण होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यों में सुधार की संभावनाएं हमेशा रहती है, समस्याओं को कम कर समाधान की ओर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, एडवोकेट जनरल एस.एन. बाबुलकर, प्रमुख सचिव न्याय प्रदीप पंत, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, शासकीय अधिवक्ता अमित भटट, जी.एस रावत, जी. एस. रावत, सचिव शैलेश बगोली एस. एन पाण्डेय, अपर सचिव जे.सी. काण्डपाल एवं न्याय विभाग से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

दो दिनों से लापता किशोर का शव बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दो दिनों से लापता किशोर का शव गन्ने के खेत से बरामद होने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस पड़ताल में जुट गयी है। किशोर के लापता होने परिजनो द्वारा उसके अपहरण की आशंका जताई गयी थी।

जानकारी के अनुसार बीते गुरुवार को कलियर निवासी 13 वर्षीय किशोर उवैस दोपहर के समय बकरी चराने के लिए भट्ठे के पास गया था। इस दौरान वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। जिसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी के बाद अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया गया था। बताया जा रहा है कि किशोर के गले पर रस्सी बंधी हुई हैं। वहीं इस बात का पता तब चला जब आज ग्रामीण अपने गन्ने के खेत में पानी लगा रहा था इस दौरान ग्रामीण को खेत में शव पड़ा हुआ मिला तो ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। किशोर के शव की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और हंगामा काटा,वही किशोर के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं किशोर के पिता ने हत्या का आरोप लगाते हुए कई सवाल उठाये हैं।

❑परिजनों ने जताई थी अपहरण की आशंका

कालेज में चुनाव ना कराने के विरोध में जाम लगाने वाले छात्रों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव ना कराये जाने के विरोध में जाम लगाकर प्रदर्शन करने वाले सौ से अधिक छात्रों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह जब डिग्री कॉलेज ऋषिकेश मे पहुँचा तो कुछ अज्ञात छात्र-छात्राओं द्वारा जिनकी संख्या लगभग 100-120 थी डिग्री कॉलेज मे चुनाव ना कराने के विरोध मे डिग्री कॉलेज ऋषिकेश के मुख्य दोनो गेटों पर गेट बन्द करके ताला लगाया गया था जिससे कि अन्य छात्र-छात्राएं व कॉलेज स्टाफ के लोग अन्दर नही जा पा रहे थे गेट पर ताला लगाने वाले छात्र-छात्राओं को उसने व पुलिस बल द्वारा काफी समझाया गया परन्तु ये लोग हंगामा व नारे बाजी करते रहे इनके द्वारा कुछ देर बाद आक्रोशित होकर नारेबाजी करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गये ओर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही बैठ गये और इनके द्वारा नेशनल हाईवे को लगभग 15-20 मिनट तक यातायात बाधित कर जामा लगा गया। उपरोक्त सभी छात्र-छात्राये डिग्री कॉलेज परिसर के अन्दर बनी पानी की टंकी के पास पहुँचे तथा टंकी के ऊपर जाने वाली सीढियो पर लगे गेट का जबरन ताला तोडकर टंकी पर चढ़ने की कोशिश करने लगे उनके द्वारा छात्र-छात्राओं को काफी समझाया गया परन्तु इन लोगो द्वारा वहाँ पर पुलिस बल के साथ वहाँ पर सरकारी कार्य को सम्पादन करने मे बाधा उत्पन्न कर पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की करते उपरोक्त छात्र-छात्राओ में से कुछ छात्रो द्वारा सरकारी कर्मचारी को अपनी नाजायज माँगो को मनवाने के लिये आत्महत्या करने हेतु पानी की टंकी पर चढ़ जाना जिन्हे पुलिस बल एवं कॉलेज प्रशासन द्वारा टंकी पर चढे छात्रो को बढी मुश्किल नीचे उतरवाया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

टावरों से उपकरण चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने टावरों से उपकरण चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायल कमाण्ड प्रोटेक्शन ग्रुप के नरेश सिंह ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी कम्पनी के क्षेत्र में टावर लगे हुए है। आज जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा की टावरों से उपकरण गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।